



विवरणिका

PROSPECTUS

2026-27



हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार
विश्वविद्यालय

Haridev Joshi University of Journalism and Mass
Communication

ABOUT THE UNIVERSITY

To meet the challenges in the rapidly diversifying field of media and mass communication, the Government of Rajasthan took the momentous decision of establishing Haridev Joshi University of Journalism and Mass Communication (HJU). Constituted through the State Legislature's Act No. 11 of 2019, HJU is mandated to fill the gap in media education through teaching, training and research in journalism, mass communication and allied fields.



The university is named after Shri Haridev Joshi (1920-1995), a proud son of Rajasthan, in recognition of his rich legacy of public life and contribution to nation-building. A freedom fighter, public servant and an outstanding statesman of Rajasthan, Shri Joshi began his career as an active journalist reporting from the tribal areas of the state and went on to become the Chief Minister of Rajasthan. He also served as the Governor of Assam, Meghalaya and West Bengal.

HJU adheres to the high global standards in education and prepares students to excel as media professionals, academics and educators. The university's curriculum is innovative, creative and interdisciplinary in nature. Besides imparting theoretical knowledge, the focus is on developing technical skills and offering practical multi-media training in journalism and mass communication. The university hopes to inculcate in its students a deep understanding of Indian society and the importance of morality and ethics in public life — essential pre-requisites for the media to function as the fourth pillar of Indian democracy.

Our emphasis is to extend education beyond class-room teaching by organising seminars, talks, dialogues, workshops and interactive sessions on Language, Law, Human Rights, Constitution and Citizens' Rights, Science-Technology and Society, Environment, Climate Change, Gender Studies and Fake News. HJU seeks to create not only a new generation of competent media and communication professionals but also shape them as politically and socially sensitive and upright future media leaders of India.

The university is located in the excellent environs of Jaipur, a historical city and the capital of Rajasthan.

VISION AND MISSION

Haridev Joshi University of Journalism and Mass Communication (HJU) has made a tryst with the future to become the best university in India for media education and research. To make HJU the preferred choice of future media professionals, it is mandated to promote journalism through education, training, critical discourse and creativity. It has been conceived as an institution, equipped with the latest technological, discursive and ethical markers that will place it at the cutting edge of media-education and value-based journalism in India

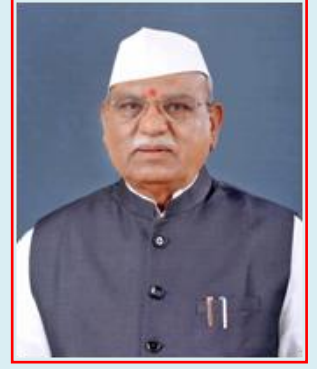


To deliver knowledge that blends intellectual rigour and stimulation, HJU will equip its students not only with the requisite academic and practical skills required of media professionals but also develop in them the capacity for introspection and creative reflection. They will be encouraged to raise questions, voice doubts and recognise the multi-faceted nature of social reality to enable them to become positive change agents in a democratic society seeking to renew itself continuously.

HJU aims to engender in its students an inclusive social vision, an egalitarian approach and a tolerant ethos based on the historical and contemporary realities shaping Indian society. This will enable them to strike a balance between our great traditions and a modern world view. The sensitization of its students for achieving gender-democracy as well as tolerant and casteless society is the paramount goal of HJU.

HJU hopes that its graduates will meet the needs of India's dynamic democracy and make their mark nationally as well as globally.

श्री हरिभाऊ किसनराव बागडे
कुलाधिपति एवं
माननीय राज्यपाल महोदय, राजस्थान



माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागडे जी का जन्म कृषक परिवार में हुआ। आप आरंभ से ही जनकृसेवा के सरोकारों से जुड़े रहे हैं। समाज सेवाएँ कृषि एवं डेयरी क्षेत्र में आपका गहन अध्ययन ही नहीं है बल्कि आपने इन क्षेत्रों के विकास के लिए निरंतर कार्य किया है।

माननीय राज्यपाल महोदय की ग्रामीण विकास में गहरी रुचि है। कमजोर और पिछड़े वर्गों के कल्याण महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर आपने कार्य किया है।

महाराष्ट्र में आपकी पहल पर एक बड़ी पहल यह भी हुई है कि वहाँ सहकारिता आंदोलन को आपने गति दी। किसानों को दूध से संबंधित व्यापार शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करके दूध विपणन को आपने निरंतर बढ़ावा दिया है। गन्ना किसानों के लिए आपने बहुत महती कार्य करते हुए उन्हें उनकी फसल का उचित लाभ प्रदान करने के लिए बाकायदा गन्ना कारखाने स्थापित किए।

औरंगाबाद, छत्रपती संभाजीनगर और जालना जिलों में अकाल उन्मूलन के उद्देश्य से गठित आरएसएस समिति के कार्यकारी अध्यक्ष आप रहे। आपका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से बचपन से ही जुड़ाव हो गया था। पत्रकारिता के अंतर्गत साप्ताहिक पत्रिका शिवेकश् के प्रतिनिधि के रूप में भी आपने कार्य किया।

राजनीतिक कैरियर

पिछले साठ सालों में आप राजनीति में निरंतर सक्रिय रहे। महाराष्ट्र के शीर्ष नेताओं और सहकारिता आंदोलन से निकटता से जुड़े रहने के साथ आपने

समय-समय पर आम जन के लिए आवाज उठाते हुए उनके हितों के लिए निरंतर कार्य किया है। आपातकाल लगाए जाने के विरुद्ध आंदोलन का नेतृत्व किया और इसके विरोध में सत्याग्रह किया।

2004 में आप महाराष्ट्र भाजपा के उपाध्यक्ष बने। भाजपा के विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति में आप रहे।

विधायक पद पर निरंतर छह बार

आप लगातार छह बार विधायक रहे हैं। वर्ष 1985, 1990, 1995, 1999 में छत्रपति संभाजीनगर पूर्व निर्वाचन क्षेत्र से और 2014 में औरंगाबाद जिले के फुलंब्री निर्वाचन क्षेत्र से महाराष्ट्र विधान सभा के सदस्य के रूप में आप चुने गए। 2019 से 2024 तक फुलंब्री विधानसभा क्षेत्र के विधायक रहे।

आपने रोजगार गारंटी योजनाएँ सार्वजनिक खातों, सार्वजनिक उपक्रमों और विधायिका की विभिन्न संयुक्त समितियों पर काम किया और विधायी समितियों के सदस्य रहे।

मंत्री पद पर कार्य

- रोजगार गारंटी योजना और बागवानी मंत्री, महाराष्ट्र सरकार, 1995-1997
- खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री, 1997-1999
- जालना जिले के संरक्षक मंत्री, 1995-1999

विधानसभा अध्यक्ष

- 12 नवंबर 2014 को महाराष्ट्र विधान सभा का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। विधानसभा अध्यक्ष रहते संसदीय कार्यप्रणाली और विधायी मर्यादा के लिए आपने निरंतर कार्य किया।

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

- 1981 में देवगिरी नगरी सहकारी बैंक लिमिटेड, औरंगाबाद की स्थापना की और 1985 में क्रांति चौक, औरंगाबाद में अपनी पहली शाखा खोली।
- देवगिरि नगरी सहकारी बैंक, औरंगाबाद के उपाध्यक्ष और अध्यक्ष

- 1974 से संस्थापक, दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति, चित्तेपिंपलगाव, जिला औरंगाबाद
- संस्थापक सदस्य, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शिक्षा संस्थान, वरुड (1985 से जुलाई, 2024 अध्यक्ष)
- जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ, औरंगाबाद (अगस्त 2011 से 2024 तक अध्यक्ष रहे।) परोपकार की अवधि में, महासंघ ने आईएसओ प्रमाणन प्राप्त किया। महाराष्ट्र सरकार ने 2014 में फेडरेशन को सहकार भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया
- संस्थापक और अध्यक्ष, छत्रपति संभाजी राजे शुगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड, चित्तेपिंपलगाव, 2001
- संस्थापक और अध्यक्ष, संभाजी राजे ग्रामीण गैर कृषि सहकारी ऋण समिति, चिट्टेपम्पल गाँव

विदेश यात्राएं

- उच्च स्तरीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ इजराइल, काइरो (मिस्र), यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड, सिंगापुर, चीन, नॉर्वे, डेनमार्क, स्वीडन, फ़िनलैंड, होन्ग कोंग की यात्रा

वर्तमान में:

- 31 जुलाई 2024 से राजस्थान के राज्यपाल का पदभार
- राज्य सैनिक बोर्ड, राजस्थान के अध्यक्ष
- पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर के अध्यक्ष
- स्काउट्स और गाइड्स, राजस्थान के संरक्षक
- इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, राजस्थान राज्य के अध्यक्ष

निम्न विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति

- राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
- जय नारायण व्यास विवि, जोधपुर
- मोहन लाल सुखाड़िया विवि, उदयपुर

- महर्षि दयानंद सरस्वती विवि, अजमेर
- कोटा विवि, कोटा
- महाराजा गंगा सिंह विवि, बीकानेर
- जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विवि, जयपुर
- वर्धमान महावीर खुला विवि, कोटा
- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विवि, जोधपुर
- राजस्थान तकनीकी विवि, कोटा
- राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विवि, जयपुर
- स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विवि, बीकानेर
- महाराणा प्रताप कृषि और तकनीकी विवि, उदयपुर
- राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विवि, बीकानेर
- सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा और दांडिक न्याय विवि, जोधपुर
- गोविंद गुरु जनजातीय विवि, बांसवाड़ा
- पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विवि, सीकर
- महाराजा सूरजमल बृज विवि, भरतपुर
- राजर्षि भर्तृहरि मत्स्य विवि, अलवर
- राजस्थान क्रीड़ा विवि, झुंझुनू
- श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विवि, जोबनेर
- कृषि विवि, कोटा
- कृषि विवि, जोधपुर
- विश्वकर्मा कौशल विवि, जयपुर
- बीकानेर तकनीकी विवि, बीकानेर
- हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विवि, जयपुर
- डॉ. भीमराव आंबेडकर विधि विवि, जयपुर
- एम बी एम विवि, जोधपुर
- बाबा आमटे दिव्यांग विवि, जयपुर
- महात्मा गांधी दिव्यांग विवि, जोधपुर
- मारवाड़ मेडिकल विवि, जोधपुर

MESSAGE FROM THE VICE-CHANCELLOR

Prof. (Dr.) Nand Kishore Pandey
Vice-Chancellor



Welcome to this national institution. It has been established by an Act of the Rajasthan Legislature for teaching, training, and research in Journalism, Mass Communication, and related disciplines. At a time when information, communication, and digital technologies are transforming every aspect of society, our University is committed to providing quality media education that prepares students for the opportunities and challenges of the modern world. Our goal is not merely to award degrees but to nurture competent, responsible, and socially conscious media professionals committed to democratic values and public service.

In line with the National Education Policy (NEP) 2020, the University promotes multidisciplinary learning, skill development, research, innovation, and entrepreneurship. At the same time, it draws inspiration from the rich Indian Knowledge Tradition, which emphasizes dialogue, truth, wisdom, and public welfare. We believe that media education becomes truly meaningful when technological competence is complemented by ethical values, social sensitivity, responsibility and cultural awareness.

The University offers undergraduate programmes in Journalism and Mass Communication, including a B.A. (Honours) programme. At the postgraduate level, students can pursue advanced studies in Media Studies, Electronic Media, New Media, Advertising, Public Relations, and Media Organization. A Ph.D. programme is also available to encourage high-quality research and scholarly inquiry in media and communication.

One of the University's greatest strengths is its distinguished faculty. Many of our teachers combine strong academic credentials with extensive experience in the media industry. Their expertise enables students to gain not only theoretical knowledge but also practical insights into the functioning of the media sector, emerging trends, professional expectations, and contemporary challenges. This blend of academic excellence and industry exposure prepares students for successful careers and future leadership roles.

To strengthen experiential learning, the University has established modern studios and state-of-the-art computer laboratories. Students receive hands-on training in news writing, radio and television production, digital content creation, video editing, and multimedia communication. In addition, the University regularly organizes lectures, workshops, seminars, and interactive sessions featuring eminent journalists, media professionals, scholars, and experts from diverse fields. These engagements broaden students' perspectives and keep them informed about the current developments in media and communication.

Looking ahead, the University is committed to strengthening research, innovation, industry-academia collaboration, digital media studies, and international engagement. Our vision is to emerge as a centre of excellence in journalism and mass communication education, producing future media leaders equipped with knowledge, skills, and values.

The University is committed to providing students with an inspiring environment to learn, create, innovate, and achieve their goals.

Prof. Nand Kishore Pandey

TABLE OF CONTENTS

1. About the University
2. Vision and Mission
3. Hon'ble Chancellor of the University
4. Vice-Chancellor of the University
5. University Organs
6. University Administration
7. Various Dimensions of the University
 - i. University Campus
 - ii. University Faculties
 - iii. Syllabus
 - iv. Admission and Enrolment
 - v. Students' Attendance
 - vi. Discipline
 - vii. Scholarship
 - viii. Examination
8. Academic Departments and Programmes
9. Research Centre and Ph.D. Programme
10. HJU Library
11. HJU Placement Cell
12. Memorandum of understanding (MOUs)
13. Admission Process
 - i. Admission Table
 - ii. Admission Rules
 - iii. Fees Structure
 - iv. Provision Regarding Waiver of Tuition/Other Fees
14. Academic Events and Activities held at HJU
15. HJU in Media



DIGNITARIES OF UNIVERSITY

Chancellor

Shri Haribhau Kisanrao Bagde

Vice-Chancellor

Prof. (Dr.) Nand Kishore Pandey

ADVISORY COUNCIL

Shri Shashi Shekhar Chairman

Prof. (Dr.) Nand Kishore Pandey Vice-Chancellor

Ex-officio members:

Secretary in charge of the Higher Education Department

Secretary in charge of the Information and Public Relations Department

Vice-Chancellor, University of Rajasthan, Jaipur

Vice-Chancellor, Vardhman Mahaveer Open University, Kota

Dean, Department of Journalism and Mass Communication, University of Rajasthan, Jaipur

Commissioner/Director, Information and Public Relations Department, Rajasthan, Jaipur

Nominated by the Chancellor (Honorable Governor):

Prof. Brij Kishore Kuthiyala

Dr. Dev Kothari

Prof. Amitabh Srivastava

Dr. Sachchidanand Joshi

Shri Rahul Dev

Nominated by the State Government

Dr. Sangeeta Pranvendra, New Delhi

Ms. Suchi Chauhan, Jaipur

Shri Rakesh Verma, Jaipur

Mr. Jitendra Sharma, Jaipur

Mr. Murari Gupta, Jaipur

Member Secretary

Shri Lakshmi Narayan Sharma, Registrar (I/C)

BOARD OF MANAGEMENT

Chairman

Prof.(Dr.) Nand Kishore Pandey

Members, State Legislative Assembly

Shri Bhagchand Tankda

Nominated by the Chancellor

Dr. Raj Kumar Chaturvedi

Prof. Kailash Daga

Nominated by the State Government

Dr. Nand Singh Naruka

Dr. Mahaveer Prasad Kumawat

Nominated by the Vice-Chancellor

Dr.Manoj Kumar Lodha

Dr.Shalini Joshi

Ex-officio members:

Secretary in charge of the Finance Department

Secretary in charge of the Higher Education Department

Secretary in charge of the Information and Public Relations Department

Commissioner/Director, Information and Public Relations, Government of Rajasthan

Commissioner/Director, College Education, Government of Rajasthan

Vice-Chancellor, University of Rajasthan, Jaipur

Member secretary

Shri Lakshmi Narayan Sharma, Registrar (I/C)

ACADEMIC COUNCIL

Chairman

Prof.(Dr.) Nand Kishore Pandey, Vice-Chancellor

Dean

Dr. Manoj Kumar Lodha, Faculty of Journalism

Dr. Shalini Joshi, Faculty of Mass Communication

Nominated by the Chancellor

Prof. Rajesh Jangid

Nominated by the State Government

Shri Mahendra Singhal

Ex-officio members:

Secretary in charge of the Information and Public Relations Department

Secretary in charge of the Higher Education Department

Chairpersons, Board of Studies

Member secretary

Shri Lakshmi Narayan Sharma, Registrar (I/C)

FINANCE COMMITTEE

Prof.(Dr.) Nand Kishore Pandey, Vice-Chancellor, Chairman

Dr. Mahaveer Prasad Kumawat

Non-Official member nominated by the Board

Secretary in charge of the Finance Department

Secretary in charge of the Information and Public Relations Department

Secretary in charge of the Higher Education Department

Shri Lakshmi Narayan Sharma- Comptroller Finance, Member Secretary

UNIVERSITY ADMINISTRATION

Registrar (In charge)	Shri Lakshmi Narayan Sharma 0141-2710123 registrar@hju.ac.in
Comptroller, Finance	Shri Lakshmi Narayan Sharma 0141-2710122 cf@hju.ac.in
Controller, Examinations	Dr. Ajay Kumar Singh 0141-2710124 ce@hju.ac.in
Coordinator (Academic and Administration)	Dr. Garima Shree 99535 42467 hjuacademiccampus@gmail.com
Deputy Registrar	Dr. Ashwini Sharma 0141-2710122 dr@hju.ac.in
Dean, Faculty of Journalism	Dr. Manoj Kumar Lodha
Acting Dean, Faculty of Mass Communication.	Dr. Shalini Joshi
Acting Dean Students' Welfare	Dr. Ratan Singh Shekhawat, Assistant Professor
Proctor	Dr. Richa Yadav
Acting Head(s) of Department(s)	
Department of Media Studies	Dr. Ratan Singh Shekhawat
Department of Electronic Media	Dr. Ajay Kumar Singh
Department of Media Organization and Public Relations	Dr. Richa Yadav
Department of New Media	Dr. Shalini Joshi
Department of Development Communication	Dr. Anil Kumar Mishra
BA-JMC Programme	Dr. Garima Shree
NEP in charge	Dr. Manoj Kumar Lodha
Studio in charge	Dr. Ajay Kumar Singh
Library in charge	Dr. Shalini Joshi
Computer Lab in charge	Dr. Ajay Kumar Singh
Coordinator	
Research Centre	Dr. Manoj Kumar Lodha
Placement Cell	Dr. Manoj Kumar Lodha
IQAC	Dr. Richa Yadav

OMBUDSPERSON

Prof. Rajiv Saxena Rtd. Professor, University of Rajasthan, Jaipur

UNIVERSITY COMMITTEES

Anti -Ragging Committee

Coordinator (Academic & administration)	Convenor
Dr. Richa Yadav, Assistant Professor	Member
Ms. Garima Shree, Assistant Professor	Member

Internal Complaints Committee

Prof. Nidhi Singh, Professor, Department of English, University of Rajasthan, Jaipur	Convenor
Dr. Ashwini Sharma, Deputy Registrar, HJU, Jaipur	Member
Dr. Richa Yadav, Assistant Professor, HJU	Member
Dr. Anil Kumar Mishra, Assistant Professor, HJU	Member
Dr. Mangla Sharma, Asara Foundation, Jaipur	Member

Student Grievance Redressal Committee (SGRC)

Coordinator (Academics and Administration)	Chairperson
Dr. Ajay Kumar Singh, Assistant Professor	Member
Dr. Ratan Singh Shekhawat, Assistant Professor	Member
Dr. Garima Shree, Assistant Professor	Member

Various Dimensions of the University

UNIVERSITY CAMPUS

- The headquarters of the University are at Punyashloka Devi Ahilya Bai Holkar Bhawan (II Floor) inside the Sarvapalli Radhakrishnan Shiksha Sankul situated on the Jawaharlal Nehru Marg.
- Our University's campus is situated in Gram Dehmi Kalan on Ajmer Road. It is spread over a land parcel of 123,626.76 square meters.
- Arrangements have been made with elegant architecture at the campus for all requirements such as academic block, administrative block, computer lab, well-equipped studio, smart classrooms, lecture hall, library, reading room, etc.

UNIVERSITY FACULTIES

Faculty of Journalism

1. Department of Media Studies
2. Department of Electronic Media
3. Department of New Media

Faculty of Mass Communication

1. Department of Media Organisation and Public Relations
2. Department of Development Communication

For details of teaching staff please visit the link https://hju.ac.in/faculty_en.html

SYLLABUS

- The syllabi of all the academic programmes (Graduate, Post-Graduate and Post-Graduate diploma) offered by the University have been designed according to the National Education Policy, 2020 (NEP 2020), with high academic standards and professional expectations.
- The courses have been designed by reputed subject experts and experienced media specialists.
- The syllabi include latest trends in media, job oriented skills, innovation and also content related to professional ethics.
- A process of continuously upgrading the syllabus has been adopted, so that students graduating in these courses can become skilled professionals.

ADMISSION AND ENROLMENT

- Admission is given to students as per the admission policy of the university.
- As per NEP(2020), students can also seek admission through lateral entry if they fulfil the given criteria.
- The students admitted to the graduate, post-graduate and PG diploma programmes will have to enrol to the University.
- To appear in the University examination enrolment will be mandatory.
- Candidates who have passed the qualifying examination from any other recognised University or board will be required to submit the original migration certificate and a copy of the mark-sheet of the qualifying examination. Candidates who have passed the qualifying examination from Board of Secondary Education Rajasthan, Ajmer, are not required to submit their migration certificate.
- The enrolment procedure will be completed only after the Coordinator-Academic and Administration of Academic Campus attests the copy of the mark-sheet of the qualifying examination as a true copy of the original mark-sheet.
- After completion of the course, University will provide a migration certificate, if applied.

STUDENTS' ATTENDANCE

- Students are expected to attend all of their classes regularly.
- At least 75% attendance is compulsory for all the students in the classes as well as practical/field work.
- In special circumstances, students may be given an exemption from the minimum attendance requirement as per the prevailing rules in University of Rajasthan.

DISCIPLINE

- Students of the University are expected to maintain the standards of decency.
- They need to wear their ID cards inside the University campus.
- The University campus is completely ragging free. The University has constituted an Anti-ragging Committee to take required action in this regard. Any aggrieved student can convey his/her grievance to this committee. Immediate action will be taken on all complaints. If a student is found guilty of ragging not only inside but also outside the campus, there is a provision to proceed with penal action against such a student. Friendship amongst students is desirable but the committee will ensure prevention of any instances of ragging.
- An Internal Complaints Committee has also been constituted in the University, which will deal with the disposal of sexual harassment cases inside the campus. Apart from prevention of such cases, the committee also takes positive initiatives to develop gender sensitivity among the students.
- The university has also constituted a Student Grievance Redressal Committee(SGRC) for prompt redressal of students' grievances. In this way, the healthy development of students will be ensured. An ombudsperson has also been appointed by the university to listen to the appeals filed against the decisions of SGRC.

SCHOLARSHIP

- The students will be able to avail scholarships/financial aid provided by central government/ state government/ other agencies.
- This will be applicable only within the framework of the rules pertaining to the concerned scheme regarding the scholarship/financial aid.

EXAMINATION

- Examinations are held with complete sanctity in the University.
- Semester system, Choice-Based Credit System and grading systems are being followed in all the courses conducted by the University.
- The main exams at the end of Semesters are ordinarily organized every year in the months of December and May
- Applications for examination are filled online. Examinees use online download facility for their admit cards.
- Exam results are also declared online.

Academic Departments and Programmes

DEPARTMENT OF MEDIA STUDIES

The Department of Media Studies has been functioning since the establishment of the University. Functioning under the faculty of Journalism, the Department takes care of the traditional patterns of media as well as its modern trends. Various courses have been designed in such a manner that the students of the Department can become good professionals in print media and other platforms. It has a rich and well-managed library to make students aware of various aspects of the media industry. There is a computer lab with software required for layout designing and other related works.

Classes are conducted in the form of lectures, practical classes, workshops and field practice. Specialised courses like Introduction to Journalism, Print Journalism, Radio Journalism, TV Journalism and Online Journalism have been designed to prepare students for work in every field of media, helping students to master various journalistic genres, the acquisition of communicative strategies and journalistic techniques, and, most importantly, forming a responsible attitude towards the journalistic profession in a modern pluralistic, multiethnic and multicultural society of our country. The Department equips the students to handle media technologies and to inculcate journalistic skills and values. With inter-disciplinary knowledge approach, the department builds the foundation for the students to produce good journalistic content. The students are acquainted with media industry and organizations through internship and prominent visiting faculty and media professionals. Students are enabled to take responsibility that would help them secure a place in highly competitive and challenging media industry.

This Department acquaints students with the multiple dimensions of the media industry and specially aims at creating an understanding of the core values of Indian Constitution. All this equips students with the knowledge, skills and training which is essential for all those who aspire to become refined journalists and integral members of the India's Print Media. In recent years, the Print Media industry is evolving through new and diverse experiments whereby digital technologies are being utilised to an optimal level. The media scenario, both globally and nationally, has been transforming rapidly in the past few years. The department will also aim to sensitize students to these fundamental changes. As a result, issues of media ethics, civil liberties, environmental crisis and the need to strengthen scientific temper will be special focus

of this department. Through a combination of theory and practice the department aims to create a deep and clear understanding among students about the history and its contemporary significance of the print media in the country.

The Department of Media Studies aims to become a fine training cent for multi-dimensional media writing. That will help students find job opportunity in every field of media. After finishing these courses from the department, students can find jobs in Newspapers, Magazines, News portals and other media platforms. The Department runs diploma course for working professionals who wish to improve their language and technical skills. The department aims to become excellent centre for media research. Research is rapidly gaining importance both in applied research and academic research as well. We aim to develop research temperament in students.

Programmes:

1. MA (Media Studies), 2 year Programme
2. MA (Media Studies), 1 year programme
3. BA-JMC
4. Four Year BA-JMC(Honours) in Media Studies
5. PG Diploma in Desktop Publishing

MA (Media Studies)

Postgraduate degree programme in Media Studies is offered under the Department of Media Studies. It aims to train the students in such a manner that they can work as skilled professionals in media industry. This four-semester programme is for two years, in which students will develop a deep understanding of political, economic and social trends. At the same time, they will also be given comprehensive information about the best practices of Indian journalism.

The curriculum is the right blend of theoretical and practical concepts which will enhance the writing skills, creativity and analytical abilities of students. This programme aims to widen the students' knowledge on various aspects of media industry and core values of the Indian Constitution. It will make the students proficient by providing adequate learning and training facilities to them. They will acquire those skills which are essential for becoming successful journalists and will enable them to contribute significantly to media industry.

In recent years, the media industry has become the carrier of new and wider experiments, where digital technology is being used at a high level. This course will also make the students abreast of significant changes taking place in media landscape; both at national and international level.

The curriculum's prime focus is to strengthen media values and sensitize students towards civil liberties, environmental crisis and improve their scientific temper.

MA (Media Studies), 2 year Programme

Level : Post - Graduation

Duration : 2 years (4 Semesters)

Seats : 30

Admission and other general provisions

As per admission policy of the university

Eligibility Conditions

Graduate in any discipline with minimum 48 percent. (Relaxation as per admission policy of the University).

MA(Media Studies), 1 year Programme

Admission and other general provisions

As per admission policy of the university

Eligibility Conditions

BA Honors in Media Studies or 4 Year graduation in Mass Communication/Journalism from any recognized University/Institution. The equivalence committee will recommend the list of such institutions.

Graduate Programme (BA-JMC)

The university also offers a graduate programme which is of three years. During these three years, the students become acquainted with key aspects of mass communication and the media and will study other important subjects. Adequate training is given to them to enhance their skills. The curriculum comprises fundamental concepts of traditional Print Media, Radio, TV, Photography, Social Media, Media Management, Advertising and Public Relations. It also includes creative experiments and innovations taking place in the fields of News, Communication and Information Technology. This programme helps students hone their writing skills and understand the reporting and editing techniques. We make extra efforts to teach visual expressions of camera and also to improve the language of students, especially the usage of words. Considering the needs of the media industry, students get technical knowledge of media

devices such as camera, microphone, computer etc. and practical training is be given to teach them various editing techniques and presentation styles. The university provides all the required facilities for this.

Keeping in mind the interdisciplinary nature of this course, we intend to develop our students' understanding on core subjects such as Indian and World History, Society, National and International Politics, Development, Economy, Law, International Relations, Environment, Culture, Human Rights, Gender Studies etc. This programme prepares the fundamental base and background for various postgraduate programmes in Journalism and Mass Communication. The curriculum is greatly beneficial for those students who wish to plan their career in Journalism or other Media related professions and want to pursue higher studies and research in the field of Mass Communication.

Level	:	Graduation
Duration	:	3 Years (6 Semesters)
Seats	:	90

Eligibility for Admission:the applicant must have passed senior secondary (10+2) in any discipline with minimum 48% marks from a Recognised Board or Equivalent Examination.

Relaxation as per the admission policy of the University.

Four Year BA-JMC (Honours) in Media Studies

BA-JMC (Honours) in Media Studies: The duration of this programme is Four years. During these four years, the students are acquainted with the important aspects of Print Media, Electronic Media, Advertising and Public Relations. They are also given practical training to enhance their communication skills. Besides these, the programme also aims to develop their critical understanding of Indian society, History, Economy, Polity, Gender Studies and International Relations. The curriculum has been designed with a holistic approach and it includes discipline centric courses, discipline specific electives, ability enhancement and skill enhancement courses. In this graduation programme, students are made to understand the nuances of Journalism, Media Writing , Reporting , Camera and Editing techniques. The programme also aims to improve their research aptitude. They also learn about the key aspects of Information Communication Technology including Digital Media Literacy.

Apart from this, the programme also cultivates ethical values among the students and will prepare them to become responsible media professionals. This creates a strong academic foundation for

those students who wish to pursue advanced studies in the field of Media Research, Journalism and Mass Communication.

Admission and other general provisions

As per the admission policy of the university

Level: 6

Duration: 4 Year (8 Semesters)

Seats: 30

Minimum Qualification for Admission: The applicant must have passed Senior Secondary(10+2) from a Recognised Board or Equivalent Examination .

*Relaxation as per the admission policy of the University.

PG Diploma in Desktop Publishing

The importance of Desktop Publishing and Printing has increased exponentially after the computer has become an integral part of any media. The use of DTP is quite common in various publishing works such as books, newspapers-magazines, cards of different purposes, stationary, catalogues, pamphlets, advertisements etc. DTP work includes many skills such as data imaging, bookbinding, platemaking etc. Many organisations save their time and money because they are able to do the publishing work on their own. This programme provides many job opportunities along with the professional education. Students are taught the necessary know-how and will be provided job training regarding computer and DTP software. The curriculum focuses on designing principles, typography, layout and production techniques.

(This is an SFS programme. No relaxation in the fee in this course.)

Level : PG Diploma

Duration : One Year (2 Semesters)

Seats : 30 (Self Financed)

Eligibility for Admission: Graduation in any discipline

DEPARTMENT OF ELECTRONIC MEDIA

Electronic media has carved out a niche as a medium of Mass Communication. The fast pace of the broadcasting sector, the increasing number of television channels, and the proliferation of FM channels have created new job prospects in this field. Keeping this in mind, the Department introduces the students to all aspects of radio and television in accordance with the needs of the broadcast sector, with the goal of preparing media professionals who can play an important role in this rapidly expanding industry.

The Department of Electronic Media aims to give students a comprehensive understanding of electronic media through teaching and training. Along with strong theoretical foundations, there is an emphasis on practical learning. Seminars and special lectures are held from time to time by experienced media academicians as well as media professionals and industry experts from the broadcasting sector.

The Electronic Media Department has well-equipped video cameras to train students in news reporting and television production. Additionally, students can learn photojournalism and visual storytelling with digital still cameras. The Department also plans to develop a state-of-the-art computer lab to train students on audio and video editing software. Workshops are also organized from time to time through which students get practical hands-on exposure and knowledge of writing for various media, news reporting, photography, documentary film making, video editing, audio editing, light direction and short film production for different formats of electronic media.

A film club is also to be established in the department to introduce the students to feature films and short films by eminent and notable filmmakers from India and abroad so that the nuances of film making can be taught. Extra-curricular activities and cultural events are organised on a regular basis to ensure the holistic development of students. Students are encouraged to participate in performing arts, poster making, quizzes, painting competitions, and other events in the university to develop their creativity as well as to provide a platform to showcase the talents of the students. University activities, special lectures, seminars, and cultural programmes are preserved in digital format (photographs and video recordings) by the students of the department as a part of practical learning.

In the coming years, the department is planning to set up a state-of-the-art studio and community radio station so that students can also gain practical knowledge of working in the domain of

television and radio broadcasting. Students are encouraged to do internships in television news channels, radio, FM, and production houses to enhance their practical skills and professional ethics and prepare them for the industry.

After receiving an education and practical training from this Department, students can pursue careers as television journalists, camerapersons, directors, scriptwriters, anchors, video jockeys, radio jockeys, video editors, light directors, photojournalists, and news reporters, among other media-related fields.

- Programmes:
1. MA (Electronic Media)
 2. PG Diploma in Photography
 3. PG Diploma in Broadcast Journalism

MA (ELECTRONIC MEDIA)

It is a postgraduate degree programme that caters to the needs of trained-educated youth for the rapidly changing electronic media industry in the current era. The goal of the Department is to provide intensive teaching and training in every field from news compilation to effective presentation in television and radio program production. Spread over four semesters, the programme focuses on different dimensions of the constantly changing television medium and acquaints students with the current trends in the broadcasting industry.

This programme provides proficiency in television and radio reporting, script writing, anchoring, and production through theoretical and conceptual knowledge and practical aspects of Journalism to the students. They learn about key aspects of electronic media journalism, such as the creation of news stories, feature writing, and the production of documentaries and short films. Keeping in mind the existing needs of the media industry, the curriculum has been kept learner-centric with emphasis on hands-on learning. The department is well-equipped with professional video cameras. The perfect synthesis of textual and practical learning along with creativity make students skilled as well as industry-ready media professionals. After completion of the two-year programme, multiple career opportunities become available for our students in the field of electronic media. They can aspire to make a bright future in radio and television journalism.

Level	:	Post-Graduation
Duration	:	2 years (4 Semesters)
Seats	:	30

Admission and other general provisions

As per admission policy of the university.

Eligibility Conditions

1. Graduate in any discipline with a minimum 48 percent. (Relaxation as per admission policy of the University).
2. Lateral Entry- Lateral entry in MA (Electronic Media) IIInd is allowed to the following candidates:
 - a. Those candidates who hold a PG Diploma in Mass Communication/Journalism from recognized institutions. The equivalence committee will recommend such programmes/institutions.
 - b. Those candidates who have passed four year BA Honours in Media Studies from HJU and have also earned 12 additional DCC credits along with 48 DCC credits from the discipline of Electronic Media.

PG Diploma in Photography

The PG diploma programme aims to provide creative and technical skills to those students who wish to pursue a career in photography. This programme familiarises the students with modern devices, techniques of photography, the importance of light, arranging indoor and outdoor lighting, and making a portfolio. The programme has been specifically created with the idea that a photographer should be both a technical expert and a creative thinker. While maintaining the balance between theoretical and practical aspects, the students are taught in such a manner that they comprehend the creative process of photography, can develop their own style and expression, and get in-depth knowledge of photography along with exposure to the new digital technology. This diploma programme is equally useful for amateur photographers.

(This is a SFS programme. No relaxation in the fee in this course.)

Level	:	PG Diploma
Duration	:	1 year (2 Semesters)
Seats	:	30 (Self Financed)

Eligibility for Admission: Graduate in any discipline

PG Diploma in Broadcast Journalism

This Post Graduate Diploma programme has been designed especially for the students who are keen to make their career in the field of Electronic Media. The programme offers courses which provide insight about working of Radio and Television industry in the country. Moreover, it aims to develop student's proficiency in the skills like audio-visual script writing, camera handling, and video editing. Though a balance between theoretical and practical knowledge has been maintained during the designing of the syllabus, still the prime focus has been kept to enhance the working skills of the students. For this purpose, project work has been made mandatory for the aspirants of electronic media professionals. The programme opens the path for a student to become a radio or television programme producer, script writer, content generator for new media, cinematographer, video editor or a YouTuber. The PG diploma programme targets to enable students to meet the challenges in the contemporary electronic media industry.

(This is a SFS programme. No relaxation in the fee in this course.)

Level	:	PG Diploma
Duration	:	1 year (2 Semesters)
Seats	:	30 (Self Financed)

Eligibility for Admission: Graduation in any discipline

DEPARTMENT OF NEW MEDIA

The Department of New Media aims to foster the professional development of Digital Journalism, Social Media promotion and practices. It intends to propagate the knowledge and critical perspectives about political economy of new media society and to promote new media literacy. The department also aims to encourage new media research.

Contemporary times are marked as information society and this society is based on new media technology. Production, transmission and consumption of new media content are based on digital and Internet technology.

New media have emerged especially from the information and communication technology that were developed in the last decade of the twentieth century. In its form and technological underpinnings, new media is different from traditional media of mass communication media such as newspapers, radio and television.

The key features of this new media is convergence. In this era of media convergence, digital technology and the Internet have almost absorbed all the media. It has created a new stir in contemporary politics, society, art and culture along with deeply influencing commerce and business practices.

Better skills for New Media can be acquired only by studying the principle and practice of new media and also one could be able to contribute to the discourse related to it. The New Media Department was established in the University keeping in mind the need to study two major pillars of new media web journalism and social media in a well-organized and well-informed academic environment.

Through the formation of this department, we endeavour to develop understanding of new media communication, online journalism, social media and various aspects of cyber culture. The courses are designed to encourage professional learning as well as new media research and serious academic discourse. The pedagogy underlines the changes related to multi-media trends and contemporary practices in web journalism.

Programme: 1. MA (New Media)

MA (New Media)

The program and courses are designed to establish the department as an advance centre of education and learning where new media academics, skill and practice meets.

New media environment is full of innovation and every other day new portals, websites, YouTube channels, new app, digital tool, or new technology emerges on the horizon. We can only guess what shape the digital media takes in the future. How dynamic and multidimensional it will be and how effective its presence and role will be in everything from personal communication to mass communication. The department endeavours to regularly update the resources and courses in line with the innovations happening in the New Media industry. Considering the organizational, management and occupational requirements of new media and future prospects in media production and media broadcasting, this department may consider to explore the possibility of conducting new ability and skill-based programs in near future.

The media driven environment we are living in, social media content has become the content of mainstream media to a large extent. Even in mainstream media institutions, the division of being a reporter and editor of print, radio or TV cease to exist and every professional journalist is required to work in all medium. The new media department also keeps this feature of convergent journalism in mind and is trying to educate and train students accordingly.

Political communication and election campaigning are the major areas of new media applications. A course on psephology and election management has been introduced to cater to this field. This course is the first of its kind in media education in India.

Today, not just in media but individuals and institutions related to every field whether art, literature, music, advertising, public relations, business and commerce use social media networking, smart phones, apps and digital tools to make effective presence online. Recognizing this importance of social media, the department gives special importance to the study and skills of public relations, advertising, marketing and publicity on social media and individual digital enterprises.

The aim of this department is also to create a space for political-economic and social discourse of new media and a critical perspective about cyber culture. That is why the department adopts inter- disciplinary approach and industry academia interface.

The conventional distinctions between print and broadcast have lost their relevance in the age of new digital media, and platform-neutral journalism is rapidly gaining ground. Newsrooms have become integrated; roles and responsibilities of editorial teams are changing and there is an increasing demand for technically sound media professionals. However, the basic tenets of

journalism, media ethics and norms and social responsibilities of journalists remain the same. The changes are visible in the ways reports are gathered, processed, edited and presented. There is an increased stress on Multi-media storytelling. Mobile Journalism (MoJo) has also emerged as a distinct media practice.

While democratising communication and media landscape, digital media, particularly social media and messaging apps like WhatsApp, have also provided a platform for vested political interests and trolls to spread rumors, misinformation, and hatred on a large scale. Due to this the digital public sphere has become a toxic place where the government and society are finding it hard to maintain harmony, peace and social order. However, what is assuring here is the fact that digital media has also given rise to a new breed of factcheckers who are relentlessly engaged in exposing the lies, propaganda and Fake news. Our pedagogy attempts to create awareness about new media literacy.

The Department aims to cultivate an appropriate research environment for media scholars and students seeking research in this field.

Our pedagogy emphasises imparting knowledge and skills simultaneously. We aim to cultivate a critical understanding of journalistic principles, media laws, and ethics, while simultaneously imparting technical skills and professional education. Students get the opportunity to learn writing and editing as well as multimedia presentation. In-depth study of media business, ownership, management, entrepreneurship, public relations, advertising, social media marketing and engagement are some other unique features of this course. This course enables students to become masters in the field of new media and motivate them to become media entrepreneurs also.

Level	:	Post-Graduation
Duration	:	2 years (4 Semesters)
Seats	:	30

Admission and Other General Provisions

As per admission policy of the university

Eligibility Conditions

1. Graduate in any discipline with minimum 48 percent. (Relaxation as per admission policy of the University).
2. **Lateral Entry-** Lateral entry in MA (New Media) IIInd year will be allowed to the following candidates:

Those candidates who have a PG Diploma in Mass Communication/Journalism from recognized programs/ institutions. The equivalence committee will recommend such programs/institutions.

DEPARTMENT OF MEDIA ORGANISATION AND PUBLIC RELATIONS

The organizational structure of media, its behavioural patterns, public relations, corporate communication, advertising, etc. are important dimensions of media studies. To develop an academic understanding and professional skills/expertise on these dimensions, the University formed this Department in 2019, the year of its own establishment. Through its programmes, the department endeavours to familiarize the students with the specifics of media-organization and to develop their managerial, behavioural and communicative skills. After the commencement of the postgraduate programme in the very first session, now the subjects related to this have also been included in the curriculum of our undergraduate programme.

It is important for students to understand the relation among media, entertainment and promotion. We aim to make our students all-rounded professionals. They are provided with the knowledge of various media organisations, their structure, ownership patterns, revenue models and ethical issues pertaining to media. They are made to understand the various issues of concern such as socio-economic status, gender sensitivity, education, environment conservation, rural communication, social mobilization etc. It helps develop their critical thinking and sensitivity while dealing with such crucial issues.

To improve the writing skills of students, we have developed a unique pool of experts which will be a perfect combination of industry and academia. These experts apprise the student with the nuances of copywriting and PR writing. For this they will also be taught about verbal as well as non-verbal presentation skills which boosts their confidence and gives them an edge over others.

The concept of visualisation is also significant in the creative world of advertising. Visual storytelling is considered as an important tool of public relations. Therefore, our computer lab is well equipped with graphic design and editing softwares. Students will learn to use these design softwares for creating advertisements. The University's studio will be utilized to teach technical aspects of production and editing. Students will learn script writing, basic concepts of photography, camera techniques, audio recording, mixing, editing etc.

Any department will not be able to attain excellence until it expands its horizons. Therefore, the Department hopes to introduce more courses in the near future which will be available not only for the regular students but also for those professionals who want to add on to their existing

knowledge and skills. We plan to offer short term courses based on its thrust areas such as Copywriting/Creative Writing, Media Organisation and Planning, Client Servicing, Visual Communication, PR Skills, Brand Communication, Campaign Planning etc. It also endeavours to promote research-based activities by organising workshops, seminars, conferences etc.

The Department sends students for internships to provide them hands-on training of the industry. During internship they are made to understand the needs of these variegated fields of media and build up their capacity accordingly. The Department desires to establish its own audio-visual library which will be a wide collection of popular and award-winning advertising and PR campaigns. Students will learn to design these campaigns through observation and thorough analysis.

After completing the course from this Department, the students have many career options and employment opportunities in the field of Advertising, Media management and Public Relations. such as Media Planner, Advertising Manager, Copywriter, Client Servicing Executive, Creative Director, PR Officer, Corporate Communication Manager, PR Consultant, Online Brand Strategist etc..

Programme: 1. MA (Advertising and Public Relations)

MA (Advertising and Public Relations)

The curriculum has been designed with a comprehensive approach for our students. The key objective is to develop students' understanding of the fundamental as well as contemporary concepts of Public Relations and Advertising. During the period of two years, students are apprised of various aspects such as their organizational setup, business models, graphics and layout designing, printing, broadcasting, copywriting, editing, media planning, research, campaign design and audio-visual production to name a few.

The prime focus of the programme is to provide theoretical cum practical orientation to the students. The practical input will improve their critical thinking and analytical abilities. It will also enhance their communication and creative skills which are imperative for Advertising and PR industry. The objective of this programme is not only to make students employable but also to make them sensitive to the moral values related to the media world. While pursuing the programme students will also become familiar with the technical 'know-how' of computer, graphic designing software and the camera. Practical concepts will be taught with the help of case studies, interaction with industry experts and group projects.

Level	:	Post-Graduation
Duration	:	2 years (4 Semesters)
Seats	:	30

Admission and other general provisions

As per admission policy of the university

Eligibility Conditions

1. Graduate in any discipline with a minimum of 48 percent. (Relaxation as per admission policy of the University).

2. Lateral Entry- Lateral entry in MA (APR) II year will be allowed to the following candidates:

a. Those candidates who have earned a PG Diploma in Mass Communication/Journalism from recognized programmes/ institutions. The equivalence committee will recommend such programmes/institutions.

b. Those candidates who have passed four year BA Honours in Media Studies from HJU and have also earned 12 additional DCC credits along with 48 DCC credits from the discipline of Advertising and Public Relations.

DEPARTMENT OF DEVELOPMENT COMMUNICATION

Development Communication plays a significant role in achieving the goal of sustainable development. Since the past few decades, new dimensions of this discipline have emerged. For achieving the developmental goals the need for and dependence on mass media – television, newspapers, radio, and now the internet, has increased. Alternative discourse regarding development is being preferred. On the one hand, the measure of development is changing, and on the other, localization and community interests are being given precedence in development.

The aim of the Department of Development Communication which operates in our University is to create a dialogue between the theory of development and its practical aspects. It aims to sensitize all the stakeholders concerning local needs and development planning. Students who have been educated and trained by our department will be an essential medium in this link.

It is important to note that heavy industrialization cannot be the only measure of development. The dominant development paradigm was challenged by alternative development efforts that began in the seventies and created a new horizon. The exchange of information was scrutinized anew for a better tomorrow. A new role of communication in social transformation is being visualized.

Development Communication aims to develop the ability of critical analysis of different theoretical perspectives. Through various programmes conducted by the Department, the students are made aware of using different audio-visual media. Along with this, the approaches for implementing their original thinking in development planning will be nurtured.

In this department, students are trained to make documentaries especially based on the issues related to development. Besides, a deeper understanding of issues like global warming, poverty, population explosion, and the new economy is imparted. The students are made aware of the importance of communication in community development so that they connect to the requirements for local development. The students are trained in such a way as to make them aware of policy formulation, as also to be able to make fundamental contributions to development.

Special lectures regarding Communication are organized by the Department where experts from this field, people from bureaucracy who implement government developmental schemes, planners from non-government organizations, and journalists participate. Through these special

lectures, students are inspired to take exemplary steps in the field of development communication.

The nature of research projects in this department will be determined to materialize such development related projects and help achieve decisive results for practical problems. Innovative research projects will be conceived for different academic institutions and government sectors which work out essential solutions on the community, village, and city levels. Research projects will also be conducted at the department level in which researchers will get significant opportunities.

To give a complete overview of the rural economy and its composition, the students will be taken on village tours. During this course, there will be a special focus on villages in Rajasthan. A special emphasis will be laid on understanding the different formats of processes like Gram Swaraj, Panchayati Raj, right to information, etc. The students will understand the importance of the needs of rural society and its autonomy.

Critical analysis of development projects is an important responsibility inherent in Development Communication. With this perspective, the students are trained to critically examine the need for different development projects and the role of communication in managing the hindrances in their implementation.

Programmes: 1. MA (Development Communication)
2. PG Diploma in Public Health and Mass Communication

MA (Development Communication)

The course of study that combines the ideas of development communication, social work and NGO represents a dual novelty. A rare conception in terms of formulation, it provides a rich opportunity to negotiate between the global-national history and the current predicament of development along with the role of communication in it. The development with capital 'D' was fashioned in the mirror of West's own trajectory of progress in the post-war era. Presented to and accepted by the then emerging states of Asia, Africa and Latin America for their liberation from economic backwardness and unproblematic ushering into the epoch of modernity, it achieved initial success, but later encountered practical and theoretical crises from which it never recovered fully. However, just before its imminent subside, with the advent of globalisation the idea of development staged a comeback with the communication revolution as its main vector.

Postcolonial India too went full throttle into the dream of modernised development with a national communication system for understanding the need of the people and for evolving and sharing a consensus on national plans. The efforts in this information intensive human development strategy were to discover and implement procedures that may effectively train and mobilise the human resources. Development of a communication infrastructure permitting the flow of information throughout a society in that sense was an important prerequisite. Through the strategic focus on the big industrialization, the Indian State achieved admirable success in charting out a path of development necessary for a traditional society with a huge demographic proportion and mind boggling socio-cultural plurality. A few problems remained, such as over dependence on the state sector, sluggish social participation and systemic bottlenecks. But, these limitations failed to dampen the national enthusiasm and with the policies of state welfarism guiding the agenda, India strode proudly in the comity of nations.

In a sense, the Indian experience was unique because in other parts of the world newly independent nations neither achieved sufficient capitalist growth nor social equity. This adverse experience of development strategy there forced several scholars in India also to recall the traditional wisdom of ecology friendly ways of living. Likes from Gandhi, Vinoba, Nehru, Ambedkar to Paulo Frere, Evan Illich, Michel Foucault, Wolfgang Sachs, Arturo Escobar etc provided master-texts in this context.

This combo-course is designed to inculcate the deep understanding about the phenomenon of Maldevelopment, practices of Climate-Smart Agriculture, plight of small farmers, migrant labour, concepts of Earth System Governance, Eco-modernism, Green Economy, Sustainable Development, De-growth, Prakritik Swaraj, Small is Beautiful, Ecological Democracy and various other alternatives to the present deprecated state in which our Globe and Globalised Polity finds it presently. Besides, this course can go a long way in helping aspiring students to get a clue as to why health system of most third world countries failed to become people friendly, why electoral democracy became another victim of hierarchical machinations, why adult education fell short of required literacy revolution, and about many inegalitarian ills the states and societies of third world suffer from.

Here comes the discipline of social work and networks of communication that can play a defining role in bringing the fruits of development to the common masses in a planned manner. India has seen a plethora of non-governmental organisations and various social movements. Certainly in the context of development, the ideas and the practices related to social work represent the possibilities of a number of positive results.

With the advent of new media technologies the idea of development has now acquired an entirely new perspective. It seems that fresh technological impetus has unleashed a new hope for more egalitarian developmental goals and processes by breaking the caste barriers and evils of communal sectarianism. The realisation of a just and secular society is possible only if a new communication theory

commensurate with the dreams of a better world is formulated in near future. This combo-course unveils the vistas of communication that are acutely needed for our current scenario.

Level	:	Post-Graduation
Duration	:	2 years (4 Semesters)
Seats	:	30

Eligibility for Admission: Graduation in any discipline with minimum 48% marks

PG Diploma in Public Health and Mass Communication

A PG Diploma in Public Health and Mass Communication can be a valuable addition to the education of Journalism and Mass Communication students. It can help them to learn the skills and gain knowledge they need to communicate effectively about public health issues. Also, it will be essential for developing effective health communication strategies. It will also help students to understand the role of the media in public health which will aid in developing effective partnerships with the media to promote public health at both the local and global level.

It will open a variety of career opportunities for Mass Communication students such as health communicators for government agencies, non-profit organizations, or private businesses. They may also work as journalists, public relations professionals, or marketing specialists.

(This is an SFS programme. No relaxation in the fee in this course.)

Level	:	PG Diploma
Duration	:	One year (2 Semesters)
Seats	:	30 (Self Financed)

Eligibility for Admission: Graduation in any discipline

RESEARCH CENTRE & PH.D. PROGRAMME

The University established its own Research Centre and commenced its Ph.D. programme in 2021. Admissions and eligibility for the Ph.D. programme are governed by the University's Research Ordinance.

The primary objective of the programme is to promote original research in the field of Journalism and Mass Communication through systematic analysis of data and scholarly information. This research initiative opens new avenues for scholars who wish to undertake in-depth studies of the media industry and its academic disciplines.

All admitted candidates are required to complete a six-month mandatory Course Work prior to registering formally as research scholars. During this phase, scholars are trained in research methodologies, literature review, research publication ethics, and emerging trends in media and communication research. To support their academic development, special lectures are delivered by subject experts, providing comprehensive guidance and direction.

Currently, the Research Centre has 13 registered Ph.D. scholars actively engaged in research. In addition, 12 new scholars have recently been admitted, and their course work will shortly commence. The Research Centre, established by the University in Jaipur with the objective of fostering high-quality research in journalism and mass communication, is now yielding visible positive outcomes.

The formal process of awarding the Ph.D. degree in Journalism has also been initiated at the University and provisional certificate for the first Ph.D degree has been awarded in the Department of Electronic media. The Research Centre was established with the vision of encouraging serious, relevant, and policy-impacting research in the field of journalism. It represents a significant step forward in strengthening the University's research-oriented academic vision, marking continued progress in the University's research initiatives.

In every University library is planned to be a treasure house of knowledge and centre of intellectual discussion and discourse, which plays an important role in the development of students and teachers. As an emerging as a centre of excellence HJU is constantly building the strengthon the strength of its rich library, which stores rare works, old magazines and latest books and other audio-visual material on media.

The HJU library not only provides a dense textual material for students, researchers and teachers, but also reference material and research journals. The library has a collection of media-related books and material on law, history, communication research, cinema studies, development, environmental issues, advertising and public relations.

Along with the purchase of books at the institutional level there has been a project to procure and collect books and audio-visual material with public support. Contributions of useful reference material from the collections of reputed journalists and public institutions have been invited.

At present there are more than 4700 books related to Mass Communication and Journalism and associated fields. According to the suggestions and need of the courses books and reference material are purchased on a regular basis.

Reputed newspapers and popular current affairs magazines and journals are available in the library on a regular basis.

The new full-fledged campus of the University is situated in Dahmikalan, Ajmer Road houses spacious halls for library and reading room .

According to the National Education Policy, the establishment of E-Library is proposed so that students and faculty members could have access to content, books and journals in digital formats also.

HJU PLACEMENT CELL

Haridev Joshi University Journalism and Mass Communication University (HJU) has its Placement Cell that works for placement and training of students in various fields of media. The cell identifies employment opportunities for students in various fields of Mass Communication and Journalism such as newspapers-magazines, news agencies, news channels, public relations agencies, advertising agencies, FM radio, digital media platforms, NGOs etc. It develops employability skills of students through mentorship and training and helps them get internships and jobs in various media sectors. The Placement Cell maintains a database of students and recruiters. It also shares information related to employment opportunities through notice boards, websites etc. The eminent professionals from media organizations are invited to deliver lectures and to interact with students. Apart from this, special training workshops are also organized for the students of various courses. Various media institutes are invited for placements in the University campus. The alumni of the university are working for leading newspapers like Dainik Bhaskar, Rajasthan Patrika, DainikNavjyoti as well as various news channels and digital media platforms.

MEMORANDUM OF UNDERSTANDING (MoUs)

Haridev Joshi University of Journalism and Mass Communication, Jaipur has signed MoU with the following Universities and Institutes:

1. Jai Narain Vyas University, Jodhpur.
2. Maharshi Dayanand Saraswati University, Ajmer.
3. Sardar Patel University of Police, Security and Criminal Justice, Jodhpur.
4. Makhanlal Chaturvedi National University of Journalism and Mass Communication.
5. Jodhpur School of Public Health, Jodhpur.
6. Mobiloitte Foundation, New Delhi.
7. United Nations Population Fund(UNFPA)
8. UN Department of Global Communications(DGC)
9. Pandit Deendayal Upadhyaya Shekhawati University,Sikar
10. OW DataLEADS Pvt. Ltd.
11. DevCom Bharat, Producer of the Sustainability Karma Podcast on All India Radio)
12. Maharaja Surajmal Brij University, formerly Brij University, Bharatpur

The MoUs between HJU and other Universities state that there will be an exchange of information related to teaching and research activities. They will work in collaboration in different areas such as curriculum development for skill based education, organizing special short term academic programmes, professional development of staff, creation and sharing of educational materials and resources etc.

MoU between HJU and Jodhpur School of Public Health, Jodhpur has been signed to recognize the importance of mutual collaboration and the contributions to society made by institutions of higher education, both parties share a desire to develop mutually strengthening and enriching international educational and research experiences in Public Health for both faculty and students.

As per our MOU with Mobiloitte Foundation, it will establish a centre of excellence at HJU which will orient our students on Artificial Intelligence, Machine Learning and Internet of Things.

The MoU between UNFPA and HJU states that both the organisations will work collaboratively in building the capacities of young journalists, Media students and faculty members on Sustainable Development Goals , Gender Sensitive Reportage and analysis of social development data.

A 'Broadcast Agreement' has been made between the United Nations,an international intergovernmental organisation,New York represented by the UN Department of Global Communications (DGC) and HJU.The aim is to raise awareness of UN works through dissemination of UN television programmes.

A memorandum of understanding (MoU) has been made between Pandit Deendayal Upadhyaya Shekhawati University,Sikar and HJU wherein both the parties have agreed to collaborate in joint teaching,research anf cultural activities including staff professional development,creation of education materials,organising special short term academic programmes etc.

The objective of MoU between OW DataLeads Pvt. Ltd. is to promote critical thinking and media literacy by establishing a dedicated Media Literacy Hub and by providing free-of-cost workshop to students.

The MoU between Sustainability Karma and HJU states that Sustainability Karma will conduct workshop in podcast and video production, and thematic sensitisation on climate action. It will orient students to produce podcasts,reels and digital stories and the selected podcasts will be broadcasted on AIR(All India Radio). For this initiative, HJU will ensure the active participation of its students and will allow the use of its infrastructure and allied facilities to organising conferences and seminars to carry out the project activities.

Admission Process

Session 2025-26

(i) Admission Table

POST-GRADUATION				
Name of the Program		Eligibility	Seats	Regular/ Self-financed
MA (Media Studies)		Graduation in any discipline with minimum 48% marks	30	Regular
MA (Electronic Media)		Graduation in any discipline with minimum 48% marks	30	Regular
MA (Advertising & Public Relations)		Graduation in any discipline with minimum 48% marks	30	Regular
MA (New Media)		Graduation in any discipline with at least 48% marks	30	Regular
MA (Development Communication)		Graduation in any discipline with at least 48% marks	30	Regular
GRADUATION				
BA-JMC:	3 Year	10 + 2 in any discipline with minimum 48% marks	90	Regular
BA-JMC (Hons) in Media Studies : 4 Year		10 + 2 in any discipline with minimum 48% marks	30	Regular
PG Diploma				
PG Diploma in Broadcast Journalism		Graduate in any discipline.	30	Self-Financed

PG Diploma in Photography	Graduate discipline.	in any	30	Self-Financed
PG Diploma in Desktop Publishing	Graduate discipline.	in any	30	Self-Financed
PG Diploma in Public Health and Mass Communication	Graduate discipline.	in any	30	Self-Financed

(ii) Admission Rules

1. Rules for admission to First Year BA–JMC

1.1 Eligibility

1.1.1 Passed qualifying examination i.e. 12th Grade (Senior Secondary) or an equivalent examination in a 10+2 scheme from a recognized board.

1.1.2 The minimum qualifying percentage in any faculty is 48%. In case of vacant seats, a waiver of 3% can be given.

1.2 For equivalence with Grade 12th

1.2.1 The student who, after passing the 10th Grade examination is admitted to a two or more than two year course recognized by the National Council for Vocational Training (NCVT), and after completion of the first year of such a course passes the English subject examination according to the syllabus designed for 12th Grade from The Board of Secondary Education, Rajasthan/Rajasthan State Open School, Jaipur, then such a student will be deemed equivalent to a student who has cleared his/her 12th Grade, for the purpose of admission to further education.

1.2.2 This eligibility will be applicable only when the English subject and I.T.I. examinations have been passed in the same year or the English examination has been passed after passing the I.T.I. examination.

1.2.3 Students who have passed the two or more than two-year course (before/after the orders) recognized by the National Council for Vocational Training (NCVT) after passing their

10th Grade examinations, will be granted equivalence with 12th Grade only after passing the English examination conducted by the Rajasthan State Open School.

- 1.2.4 Students who have passed a 3 year course recognized by the All India Council for Technical Education (AICTE) after passing the 10th Grade examination will be considered equivalent with 12th Grade for the purpose of admission to further education.

NOTE : Only those candidates passing both the English subject examinations as per the courses designed for the 12th Grade by the I.T.I. (NCVT) as well as RBSE/RSOS boards will be considered equivalent to 12th Grade for admission.

- 1.3 Admission will be given on the basis of merit of the qualifying examination.
- 1.4 Fees for admission form of BA-JMC.

S.N	Program	GEN /BC/EWS/MBC	SC/ST
1.	Graduate Program	605/-	440/-

1. Rules for admission to First Year BA–JMC

2. Rules for admission to MA (First Year)

2.1 Eligibility

- 2.1.1 Should be a graduate [Passed 10+2+3 (or more than 3 year course) graduation] from any faculty having passed the qualifying examination from a recognized University.
- 2.1.2 The minimum eligibility percentage is 48%. In case of vacant seats, a waiver of 3% can be given.
- 2.1.3 Any candidate who has passed the qualifying exam from the University will get not more than two chances (in two post-graduate subjects or in one post-graduate subject and one post-graduate diploma) for gaining admission to the first year of post-graduate course.
- 2.1.4 Candidates who have cleared the three-year graduate law examination will be given admission to the post-graduate

course based on marks obtained in the general/ honours graduate examination.

- 2.2 Admission will be given on the basis of merit of the qualifying examination.
- 2.3. Fees for admission form of Post Graduate Program.

S. N	Program	GEN /BC/EWS/MBC	SC/ST
1.	PG Degree	605/-	440/-

2.4 At the time of counseling, the candidate will present the original documents along with hard copy of the application form.

3 Rules for admission to PG Diploma

3.1 Eligibility

3.1.1 Should be a graduate [Passed 10+2+3 (or more than 3 year course) graduation] from any faculty having passed the qualifying examination from a recognized University.

3.1.2 Admission will be given on the basis of merit of the qualifying examination.

3.2 Fees for admission form of PG Diploma.

S.N	Program	All Category
1.	PG Diploma Program	440/-

3.3 At the time of counseling, the candidate will present the original documents along with hard copy of the application form

3.4 In addition to the fees for self-financing (SFS) PG diploma courses, general admission rules, reservation and weightage rules will be applicable. No exemption in tuition fee will be made for these programs.

4. General Rules of Admission

4.1 Admission of students in any course is subject to the rules set by the University. Candidates will not be eligible for admission

in any course unless they pass the eligibility test laid down for it or gain any other qualification prescribed under the University Rules.

- 4.2 No application will be accepted after the last date as given in the University notification.
- 4.3 Just applying online is not a guarantee for admission.
- 4.4 The jurisdiction for all types of court cases will be the headquarters of the Haridev Joshi University of Journalism and Mass Communication at Jaipur, and no other location.
- 4.5 The seats for applicants belonging to Scheduled Caste, Scheduled Tribe, Other Backward Classes, Most Backward Classes, Economically Backward Sections, Kashmiri Migrant and the Persons with Disabilities (Divyangjan) etc. will be reserved according to the policy of the Government of Rajasthan / as per Hon'ble High Court, Rajasthan.
- 4.6 Exemption/weightage in average marks in academic records will be given only under the provisions of the University regarding admission to various courses.
- 4.7 The candidate who has attained his / her percentage without any exemption / weightage will be placed in the list of preference above the candidate who has been given exemption / weightage under the prescribed rules and after which his percentage has become equal to that of the candidate with no exemption.
- 4.8 All admissions will be treated as provisional until the applicant has completed all the necessary admission related formalities.
- 4.9 If the student wants to get concession in fees, then he / she will have to present updated certificate (income / non-creamy layer certificate etc.) at the time of depositing the fee. In the absence of certificates / letters, the full fee will be deposited and if the concession certificate is presented subsequent to this, the concession will not be considered.
- 4.10 Payment of fees: The admission of any candidate will not be valid until she/he has deposited all the prescribed fees (admission, tuition and other fees). All fees/The full fee will be charged for the entire session duration, irrespective of the date of admission. 75% fee will be refunded on application within 10 days of the end of admission process (last date of final list of admission) and 50% fee will be refunded on application from

11th to 30th day. After this period, the fee will not be refunded; only the caution money will be returned.

- 4.11 The caution money will be returned only after recovery of any outstanding (if any) dues. For this, the student has to apply within the three academic sessions after leaving the University / department.
- 4.12 Admission to candidates qualified with supplementary:
- (A) Such applicants will be given provisional admission till the last date fixed for admission at their own risk. The merit list will be prepared assuming that such students will get the minimum marks prescribed for admission in the supplementary examination. Such students will have to present the mark sheet of the supplementary examination to provide proof of eligibility for the minimum qualification prescribed for admission.
 - (B) A candidate who is absent in the supplementary examination, fails or fails to attain the prescribed minimum marks, his / her temporary admission shall be deemed as invalid and shall not be entitled to continue in the next class
- 4.13 Regarding the admission policy, where the HJU, Jaipur does not have its own rules, only the admission rules of Rajasthan University will be valid.
- 4.14 The following categories of students will not be eligible for admission:
- (i) Those that have been declared failed.
 - (ii) A person who has been sentenced in a punishable offense and has been involved in moral misconduct will not be eligible for admission as a regular student.
 - (iii) Any candidate who is guilty of indecency with a University teacher or any other officer may be prevented from taking admission in the programme.
- 4.15 Based on the resources available at present, a maximum of 30 and minimum 10 candidates can be admitted in one section in under-graduate and post-graduate classes.
- 4.16 In case of admission below the prescribed minimum limit, the teaching of that Program/Course may be suspended for that session.
5. Procedure for admission renewal / updating records for

under-graduate second and third year, and post-graduate second year students:

5.1 Regular students are not required to submit applications for admission renewal in undergraduate second and third year and postgraduate second year. Under this, the candidate has to apply for admission in the first class of the programme concerned. If the regular student of the previous session submits the fee of the session to the University by the scheduled date of July 31 in the current session, then he / she will be considered admitted provided the eligibility conditions are met. This rule will not apply to those students who:

- (i) Do not pay the fee for the current session by the due date.
- (ii) Get the transfer certificate issued.
- (iii) Themselves refuse to take admission in writing.

6.

Rule of reservations in admission

6.1 In the admission process, reservation of seats or exemption in marks, for Scheduled Caste, Scheduled Tribe, Other Backward Classes, Most Backward Classes, Economically Weaker Sections, Persons with Disabilities (Divyangjan) etc. will be given as per the rules of the Rajasthan government.

6.1.1 For admissions to graduate and post-graduate levels, reservations will be made for candidates in the following manner: 16% for Scheduled Caste, 12% for Scheduled Tribe, 21% for Backward Classes (excluding creamy layer), 5% for Most Backward Classes (excluding creamy layer), and 10% for Economically Weaker Sections.

6.1.2 For reservation related benefits, the candidate will have to submit a caste certificate issued by the competent officer of the state of Rajasthan, viz. the District Magistrate / Sub-Divisional Officer / Assistant Collector / Tehsildar, which is issued for availing reservation in the services of the state of Rajasthan.

6.1.3 Certificates related to BC / MBC are issued only once by the authorized officer. However, after a non

creamy-layer certificate is issued, if the applicant remains outside the creamy-layer even in the coming years, then in such a situation the certificate issued earlier along with a self-attested affidavit will be acceptable. This can be done for a maximum of three years. (Social Justice and Empowerment Department, Government of Rajasthan Order no. F11 () () R&P / S.J.E.D. /12/7376-409 dt. 24.01.2013)

- 6.1.4 5% of the total seats are reserved for Persons with Disabilities (Divyangjan) who are hearing impaired/ dumb/visually impaired, or who are permanently disabled with respect to some body part. This reservation will be given under the reservation policy of the Rajasthan Government regarding the Persons with Disabilities (Divyangjan).
- 6.1.5 01% of the seats reserved in each category will be reserved for the children of Kashmiri displaced persons.
- 6.1.6 The priority list of candidates belonging to Scheduled Caste, Scheduled Tribe, Other Backward Class, Most Backward Class, Economic Weaker Section, who fulfill the minimum qualification prescribed for admission in any course of the University, will be prepared according to their respective category.
- 6.1.7 Students belonging to the reserved category, if obtain marks qualifying them for a place in the general merit list, will not be considered as reserved category students and will be enlisted in the merit list of general category candidates.
- 6.1.8 Candidates from the reserved category, who have been admitted in such a way through the general category, will be kept aside and the reserved seats will be filled from the remaining candidates of the respective class and the merit list of those classes will go down till the reserved seats are filled. It is clear that the minimum percentage prescribed for admission can be reduced to fill reserved seats for Scheduled Caste, Scheduled Tribe and Other Backward Classes.
- 6.1.9 After granting adequate opportunity, vacant seats

reserved for the Scheduled Caste will be filled with candidates from the Scheduled Tribe, and vacant seats reserved for the Scheduled Tribe will be filled with candidates from the Scheduled Caste. Despite of this, if seats in any reserved category lie vacant, then these will be filled with wait-listed candidates from the general category, but the final decision will be taken at the level of the Vice-Chancellor.

- 6.1.10 The 21% reservation given to the Backward Classes includes the Most Backward Classes as well, and in addition, a separate reservation of 5% is due to the Most Backward Classes (Ref. DOP (A-2) Order No. F. 7(1) DOP/A-2/2017 dt. 28.02.2019).
- 6.1.11 For candidates coming from the Economically Weaker Sections a reservation of 10% should be complied in each program (Ref. DOP (A-2) Order No. 7(1) DOP/A-2/2019 dt. 22.02.2019).
- 6.1.12. 15% supernumerary seats in each course will be reserved for foreign students, including persons of Indian origin. Out of these supernumerary seats, the children of Non-Resident Indians (NRIs) will be given priority in admission to one-third i.e. 5 percent seats. Students taking admission in supernumerary seats will have to pay 5 times more fees than normal students.
- 6.1.13 Admission to Victims of the Jaipur Serial Bomb Blast
- (i) The victims would be allowed outright admissions in the course provided they fulfill the minimum eligibility criteria for admission in UG& PG.
 - (ii) Every such student will have to produce a certificate to this effect from, District Collector/Nagar Nigam or Medical Jurist of the SMS Hospital, Jaipur
 - (iii) These Students would be exempted to pay the examination and other prescribed fee till they complete the course
 - (iv) A Separate committee which must include of University Medical officer, D.S.W, constitute by the Vice-Chancellor to scrutinize all the credentials in this regard before allowing above

suggested relief to the victims.

- (v) One Seat shall be reserved for such students in the University. The Seat is above of the Existing allotted Seat to the Department.

This special scheme must be applicable exclusively for following types of the victims-:

- (A) The such aspirant student who has lost his/her parents. (Either, father, mother, or any such person who was officially designated a guardian of such, before this blast)
- (B) Any such parent of the aspirant student, who has been injured severely (minimum body injuries limit is 25%) or loss of any vital body organ (partially or completely)

7.

Weightage with respect to admissions

7.1 The general rules for weightage are as follows:

- (i) While preparing the merit list, weightage will be granted only in the case where the candidate has obtained minimum compulsory percentage marks in qualifying examination.
- (ii) Exemption in the marks to be obtained, granted under various sections of the admission rules will be given to the candidates only once, and not more than once.
- (iii) The above relaxation will also be given to the candidates in the event of interim admission (for the candidates with supplementary examination) as per the provisions laid down by the weightage committee of HJU.
- (iv) In this regards the Sports Board of the HJU will prepare rules for recognized sports activities.
- (v) The Head of the Department may refuse to apply the above exemptions in the interest of the University. He/She may refuse the prescribed exemption for admission even in case of suspicious conduct or dubious certificate of the candidates.
- (vi) In case of admission to graduate and post-graduate programmes, the candidate who claims weightage of 5% or more, will have to report to the Sports Board of University, and along with the original certificate will

have to make a presentation of his physical capacity and skills.

- (vii) For the purpose of granting weightage with respect to determining the merit in the admission eligibility list to a candidate in case of sports/ co-curricular achievements etc., the benefit regarding the candidate's achievements at the school / college / University levels in the last three sessions in sports/co-curricular activities, will be given only at the time of admissions to first year of graduation/first year of post-graduation respectively.
- (viii) The candidate who applies online will have to provide scans of both sides of the original certificate, for the purpose of getting weightage. He/She will have to provide a self-attested copy of certificate provided by the concerned competent officer/department along with the application form, in the absence of which, no request for any weightage will be acceptable. A self-attested copy of the certificate will not be accepted later. Original certificate will be required to be produced once the name appears in the interim admission list.
- (ix) Benefit in any one (whichever is more) will be given to the candidate while considering weightage.

7.2 Weightage due to the candidate for achievement in sports activities:

Sr.	Achievement	Weightage due for determining merit in admission eligibility list
A.	(i) Represented the country in an international level competition organized by Ministry of Human Resource Development and Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India	passing minimum
	(ii) Represented Association of Indian University team in an international Inter-University competition	
	(iii) The first/runner-up team that represented the state, or on obtaining first, second or third place in an individual contest, in a national level competition organized by the Ministry of Youth Affairs, Government of India and a sport association accredited by the Indian Olympic Association.	Admission on percentage
	(iv) The winner/ runner-up team representing a state-funded University of the	

	<p>Rajasthan state in an all-India inter-University competition, or, on obtaining first, second or third place in an individual contest</p> <p>(v) On representing the state of Rajasthan in a school-level national sports competition (S.G.F.I.)</p> <p>(vi) Winner/runner-up in a team sport event representing a school in the state of Rajasthan in the C.B.S.E. National Sports Competition and on securing first, second or third position in individual sports</p>	
B.	<p>(i) Team member of the winning/runner-up team representing a state funded University from the state of Rajasthan in Western Region Inter-University Competition</p> <p>(ii) On securing the first, second or third place in a state level school sports competition organized by Rajasthan State Education Department</p> <p>(iii) Winner/runner-up in a team event, and securing first, second or third position in individual games in a national sports competition organized by Kendriya Vidyalaya Sangathan (KVS) / Navodaya Vidyalaya Sangathan (NVS) / IPS / Sainik School (from the school located in the state of Rajasthan)</p> <p>(iv) Representation in national competition organized by CBSE (from a school located in the state of Rajasthan)</p>	6 %
C.	<p>(i) Represented the state of Rajasthan in a national level competition organized by the Sports Federation recognized by the Ministry of Youth Affairs and Sports, Government of India and the Indian Olympic Association</p> <p>(ii) On representing the University in the Inter-University competition.</p> <p>(iii) Representation of Kendriya Vidyalaya Sangathan / Navodaya Vidyalaya Sangathan / IPS Organization / Sainik School (from schools located in the state of Rajasthan) in a national level competition</p> <p>(iv) On securing a medal in the C.B.S.E.'s cluster/zone level competition (winner/runner-up for team sports and securing first, second or third position in individual sports event)</p>	5 %
D.	<p>(i) On securing the position of a winner/runner-up in the state-level competition organized by State Sports Council which is accredited by the Rajasthan State Sports Council</p> <p>(ii) On securing the first, second or third position in a district level competition or representing at the state level competition organized by Rajasthan Education Department</p> <p>(iii) On attaining first, second or third position in the inter-college competition organized by the University Sports Board</p> <p>(iv) On participation in the All India Sanskrit University Competition</p> <p>(v) On securing the first, second or third position in a regional/cluster level competition of the Kendriya Vidyalaya Sangathan / Navodaya Vidyalaya Sangathan / IPS Organization (from the school located in the state of Rajasthan)</p>	3 %
E.	<p>(i) On representing the district in a state level competition organized by the State Sports Council recognized by the Rajasthan State Sports Council.</p> <p>(ii) On representing the college in the inter-college competition organized by the</p>	2 %

University Sports Board
(iii) On representing the school in the district level competition organized by the Rajasthan State Education Department
(iv) On participation in the All India Sanskrit University Competition
(v) On participation in the cluster / zone / regional level competition of C.B.S.E. Kendriya Vidyalaya Sangathan / Navodaya Vidyalaya Sangathan (from a school located in the state of Rajasthan)

Special Note: Except point A (i) and (ii) , the above mentioned weightage will be given for representation of a school/college/ state University located in the state of Rajasthan only.

7.2.1 For the purpose of securing weightage, candidates will be required to submit as follows, certificate from the competent officer along with the application as follows; in the absence of which the appropriate weightage will not be considered due:

Sr.	Level	Agencies whose certificate will be valid
1	A(i) to (vi)	National Officials / Organizing Secretary of Ministry of Sports, Government of India, Sports Authority of India, All India Universities Association, SGFI, CBSE
2	From (i) to (iv) of (B) and (C)	Certified and signed by Deputy Director / District Education Officer of University Sports Council, Rajasthan State Education Department, Kendriya Vidyalaya Sangathan, Navodaya Vidyalaya Sangathan, CBSE Organization, IPS Organization, National Level Officer / Organizing Secretary of Sainik School Organization, Principal of Organizing Institution, Principal and in-charge of concerned organization.
3	(i) to (v) of (D) and (i) to (v) of (E)	Certified and signed by officials of the State Sports Association, recognized by Rajasthan State Sports Council, Deputy Director / District Education Officer / Deputy District Education Officer / Organizing Secretary / Principal of Organizing Institution, Principal and in-charge of the concerned institution.

The above benefits will be granted only in case of the following sporting Events:

Sr.	Name of the sport	Sr.	Name of the sport
1	Athletics (including cross country races)	19	Judo
2	Aquatic Sports (Swimming, Diving and Water Polo)	20	Boxing
3	Badminton	21	Mini Golf
4	Basketball	22	Archery
5	Chess	23	Shooting, Air Rifle, Air

			Pistol
6	Cricket	24	Softball
7	Cycling	25	American Football
8	Football	26	Ball Badminton
9	Hockey	27	Net Ball
10	Kabaddi	28	Roll Ball
11	Kho Kho	29	Rugby
12	Table Tennis	30	Squash Racket
13	Tennis	31	Taekwondo
14	Volleyball	32	Wushu
15	Handball	33	Yoga
16	Wrestling	34	Power lifting
17	Weight Lifting and Body Building	35	Bridge
18	Gymnastics		

7.3 Weightage due to the candidate on achievement in co-curricular activities at school / college / University level

Sr.	Achievement	Weightage due when determining merit in the admission eligibility list
A	Has been awarded the National Bravery Award during his/her lifetime by the Ministry of Human Resource Development and Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India.	Admission on minimum Passing Percentage
B	Secured first, second or third place in an all India competition organized by Indian Universities Association or ICCR or any department of Central Government.	6 %
C	Member of the winner/ runners-up team at the state level or University level competition organized by the state education department or by any University in the state, or, has secured first, second or third place in individual competition, or, representation of University / state in inter-University competition or all India competition organized by any department of Central Government. Note: The benefit of exemption under (B) and (C) above will not be given for the competition organized by any constituent / affiliated college or department of the University.	5 %
D	Representation of institution / division at the state level / University level competition organized by the state education department or by any University in the state or member of the winning / runner up team at a competition organized by a college at district or division level, or, secured first, second or third position in an individual competition	3 %

7.4 Weightage due to the candidate on achievement in National Service Scheme at the school / college / University level:

Sr.	Achievement	Weightage due when determining merit in the admission eligibility list
A	A volunteer, on being awarded as member of a team in the International youth Exchange Program in the preceding three sessions of the admission on a national / state level	Admission on minimum passing percentage
B	Participated once in either the Republic Day Parade (Delhi), National Inspiration Camp or National Integration Camp organized by the Department of Youth and Sports in the preceding three sessions of admission and having certificate of attendance and 240 hours of service work in special camps.	6 %
C	Participation in camps at the state level / department level and attendance at a special camp and a certificate of 240 hours of service work in the preceding three sessions of admission	5 %
D	Attending a special camp and certificate of service for 240 hours in the preceding three sessions of admission	3 %

7.5	Weightage due to the candidate on achievement in N.C.C. at the school / college / University level:
-----	---

	Senior Division/ Wing (In three sessions) Junior Division/ Wing (In five sessions)	Weightage due when determining merit in the admission eligibility list
	Representing the country after being selected by Ministry of Human Resource Development, Ministry of Defense or Director General NCC	Admission on minimum passing percentage
	All India Best Cadet Award in any branch of the N.C.C	
	On participating in the following activities or earning the following specialties:	
	A cadet who obtains first/second place in the Republic Day Camp competition	
	A cadet who completes the Sky Diving course in the Para Jumping course	

A cadet who completes Adventure Mountaineering and Advanced Mountaineering Course	6 %
A cadet who earns C certificate, with A grade	
A cadet who earns B certificate, with A grade	
A cadet who earns A certificate, with A grade	
Being selected in one or more of the following activities and participating in it:	5 %
Republic Day camp	
All India Advanced Leadership Camp	
Para Jumping course	
Participation in a foundation mountaineering course or a mountaineering expedition (which involves climbing 20000 feet or higher on a mountain peak).	
Obtains C certificate in Students Wing, with B grade	
Obtains B certificate in Students Wing, with B grade	
A Junior Division student obtaining A certificate, with B grade	
Snow Skiing course	
Selected as Senior Under Officer/ Senior Cadet Captain/ Cadet Flight Sergeant Rank	
Onparticipatinginthefollowingactivitiesorachievingfollowingdistinction	3 %
C certificate with C grade	
B certificate with C grade	
Junior Division A certificate with C grade	
All India Summer Training Camp	
All India Basic Leadership Course	
Two week Attachment Course with a Regular Security Force	
Water Skiing Course	
Selection on the rank of Under Officer/ Cadet Captain/ Cadet Sergeant	

7.6 Weightage due to the candidate on achievement in Rover/Ranger/Scout/Guide at the school/ college/ University level:

	Achievement	Weightage due when determining merit in the admission eligibility list
	Representing India in the World Jamboree or selected by the India Scout / Guide Headquarters and has participated in any international activity or received the President Scout / Guide / Rover / Ranger Award by the President.	Admission on minimum passing percentage
	Should have been a State Award recipient Scout / Guide / Rover / Ranger or a state representative in national activity or should have received a shield in Prime	5 %

	Minister's Shield Competition / Vice President's Shield Competition.	
	Should be a third level Scout/Guide or 'Praveen' Rover/Ranger or 'Nipun' Rover/Ranger, or should have participated in State Rover Meet/Ranger Meet or state level adventure activity or a desert trekking camp, or should have completed Basic Mountaineering course or should have represented in Prime Minister Shield competition/ Vice-President Shield competition	3 %

7.7 Albino candidates will be granted a weightage of 1%.

7.8 Members of the military forces or their dependents and paramilitary forces or their dependents (BSF, CRPF, SSB, ITBP, CISF) will be given 5% weightage after scrutiny of their certificates.

7.9 Martyrs-dependents of military and paramilitary forces (BSF, CRPF, SSB, ITBP, CISF) will be given direct entry.

ADMISSION APPLICATION FEE FOR SESSION 2026-27

(A) Graduation Programme:

S.N.	Programme	Gen, BC, EWS,/MBC	SC/ST
1.	Graduation Programme	Rs 605	Rs 440
	Post Graduation Programme	Rs 605	Rs 440

(B) PG Diploma:

S.N.	Programme	All Category
1.	PG Diploma	Rs 440

FEE STRUCTURE FOR THE SESSION- 2026-27

Sr.	Particulars	Frequency	BA-JMC Fee (Rs)	MA Fee (Rs)	Diploma, PG Diploma Fee Self-Financed (Rs.)
1.	Admission Fee	One Time	15000	20000	25000
2.	Re admission Fee		15000	20000	--
3.	University caution money	One Time (Refundable)	2660	2660	2660
4.	Computer Lab Fee	One Time	1330	2000	1330
5.	Studio Fee	One Time (in case of availability)	1330	1330	2000
6.	Identity Card Fee	Per Year	130	130	130
7.	University Students' Union Membership Fee	Per Year	130	130	----
8.	Students' Union Election Fee	Per Year	260	260	----
9.	Sports Fee	Per Year (in case of availability)	260	250	260
10.	Tuition Fee	Per Semester	1800	2000	3000
11.	Library Fee	Per Semester	260	260	260
12.	Inter-Departmental Fee	As required	----	150	120
13.	University Enrolment Fee	As required	670	700	670
14.	University Enrolment fee (after the start of the exam)	As required	1210	1210	1210
15.	Eligibility Fee payable by students coming from other university/Board (Apart from BSER)	As required	670	670	670
16.	Fee for duplicate copy of Identity card.	As required	260	260	260
17.	Transfer Certificate Fee	As required	130	130	130
18.	Character Certificate Fee	As required	70	70	70
19.	Convocation/ Degree/Diploma/Certificate Fee	One Time	950	950	950
20.	Alumni Fee	One Time	670	670	670
21.	Student Support Fund Fees	As required	120	120	120
22.	Publication fee	As required	120	120	120
23.	Subject Council Fee	As required	190	190	190
24.	Development Fund Fee	Per Year	260	260	260
25.	Parking fee	As required	190	190	190
26.	Extra curricular Activity Fee	Per Semester	120	120	----

The fee related to the examination section is as follows

For all students of BA-JMC, MA, Diploma, PG Diploma

Sr.	Particulars	Frequency	BA-JMC Fee (Rs)	MA Fee (Rs)	Diploma, PG Diploma Fee Self-Financed (Rs.)
1.	Examination Fee	-	260 Per Paper	260 Per Paper	260 Per Paper
2.	Examination Fee (for BA-JMC 3rd Year Students)	Per Semester	740	---	----
3.	Due Paper Fee	Per Paper	290	290	290
4.	Revaluation Fee	Per Paper	440	440	440
5.	Scrutiny Fee	Per Paper	220	220	220
6.	Transcript Fee	As required	3900	3900	3900
7.	Migration Certificate	As required	260	260	260
8.	Duplicate copy of Migration Certificate	As required	1330	1330	1330
9.	Provisional Certificate	As required	260	260	260
10.	Duplicate copy of Marksheet	As required	260	260	260
11.	Additional Marksheet	As required	400	400	400
12.	Late Fee for Exam Form	As required	1.100/- till 7 days after the last date 2. Thereafter with special permission Rs. 550/-	1.100/- till 7 days after the last date 2. Thereafter with special permission Rs. 550/-	1.100/- till 7 days after the last date 2. Thereafter with special permission Rs. 550/-
13.	Confidential Result Fee	As required	1210	1210	1210
14.	Qualification Certificate Fee	As required	360	360	360
15.	Duplicate copy of Qualification certificate fee	As required	670	670	670
16.	Photocopy of answer sheet per paper under RTI	As required	770	770	770
17.	If Degree before convocation	As required	2000	2000	2000
18.	Duplicate copy of Degree	As required	670	670	670
19.	Correction in date/entry submitted by the student in the examination form (within one year)	As required	260	260	260
20.	Correction in date/entry submitted by the student in the examination form (after one year)	As required	670	670	670
21.	Postage Fee (per issue list)	As required	130	130	130

PH.D. FEE STRUCTURE FOR THE SESSION- 2026-27

	Particular	Fee (In Rupees) Session 2025-26
A. Ph.D. ADMISSION TEST		
	Admission Test Fee with Admission Application Fees	3000
B. COURSE WORK FEE		
1.	Admission Fee (one time)	15000
2.	Tuition fee for Pre- Ph.D. Course Work (one time)	25000
3.	Library Fee (one time)	0
4.	Identity Card Fee (Per year)	150
5.	Student Safety Insurance Premium (Per year)	0
6.	Student's caution money (One time, Refundable)	3220
7.	Enrolment Fee (If required)	800
8.	Eligibility fee payable by students coming from other board/university (If required)	800
9.	Migration Certificate Fee (If required)	330
C. RESEARCH WORK FEES		
1.	PhD Registration fee (one time)	3220
2.	Tuition fee (per two semesters)	18980
3.	Library fee (per two semesters)	2000
4.	Computer Lab Fee (per year)	1610
5.	Thesis Submission fee (one time)	11275
6.	Convocation Fee (one time)	1120
7.	Research students' Union Membership Fee (per year)	150
8.	Research students' Union Election Fee (per year)	330
9.	Re-Registration fee (If required)	9000
10.	Fee for Re-Submission of Thesis (If required)	9000
11.	Re Viva Voce fee (If required)	5500
12.	Extension fee (If required)	4000
13.	Provisional Certificate Fee (If required)	1000
14.	Degree in Absentia (If required)	1000
15.	Duplicate degree Fee (If required)	2000

Provisions regarding waiver of tuition fee/ other fee:

1. No tuition fee will be charged from female students/women of all cadres studying in the University, except for self-financed courses.
2. Students whose parents/guardians are not income tax payers and belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, Backward Class and Special Backward Class and also those students who are wards of non-income tax payers ex- army personnels, will not be required to pay tuition fees.
3. Wards/dependents of defence personnel (or who are former defence personnel themselves) who were either permanently disabled or martyred in the NEFA/Ladakh operation of 1962 and the Indo-Pak war of 1971, are exempt from paying tuition fees, examination fees and hostel fees, provided that:
 - i. Their family has settled permanently in Rajasthan,
 - ii. The family should not be getting pension of more than Rs 400 per month, and
 - iii. They submit a copy of the certificate from the concerned commanding officer working in the area.
4. Persons with disabilities are exempted from paying tuition fees and examination fees. However, they will have to submit a certificate of permanent disability signed by at least a junior specialist and co-signed by a medical officer.
5. The visually impaired and the hearing impaired students will not have to pay examination and tuition fees.
6. Except for self-financed courses, no tuition fee will be charged from the wards of martyrs studying in the University (provided the martyrs are permanent residents of Rajasthan).

Notes:

1. The decision of the Vice-Chancellor will be final in respect of any other fee/exemption not mentioned herein.
2. All deposits will be deemed forfeited if not claimed within three academic years of leaving the University.
3. It will be mandatory for all students to submit the "Student Accident Protection Insurance Form" issued by the Office of the Dean of Student Welfare.